श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल

चरणपादुका, कटड़ा

(सम्बद्ध : सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी)

विद्ययाऽमृतमश्नुते

वार्षिक प्रगति—विवरण 2013-2014

श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल— एक परिचय

1. परिचय —

1.1 श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल कटड़ा से लगभग दो किलोमीटर की दूरी पर चरणपादुका में स्थित है। इस गुरुकुल की स्थापना एवं संचालन **श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटडा, जम्मू व कश्मीर** द्वारा किया जाता है। यह गुरुकुल लगभग **30 कनाल** भूमि पर निर्मित है, जिसमें आधुनिक कक्षा प्रकोष्ठ, छात्रावास, आचार्य निवास एवं भोजनालय की व्यवस्था है।

2. गुरुकुल स्थापना के उद्देश्य —

- भावी पीढ़ी को भारतीय पारम्परिक शास्त्रों एवं आधुनिक विषयों के ज्ञान के साथ सुन्दर समन्वय स्थापित कर सुशिक्षित करना।
- अध्येता छात्रों का चारित्रिक एवं मानवीय मूल्यों के साथ सर्वांगीण व्यक्तित्व का विकास करना।
- भावी पीढ़ी को **'वसुधैव कुटुम्बकम्'** की आदर्श भावना से समन्वित करना।
- वेदाध्ययन के माध्यम से श्रुति परम्परा को अक्षुण्ण बनाये रखना।
- नई पीढ़ी में भारतीय आचार, विचार एवं देशभक्ति से समन्वित समग्र व्यक्तित्व का विकास करना।

(कक्षा में अध्ययनरत छात्र)

3. सम्बद्धता —

इस गुरुकुल को प्रथमा से आचार्य कक्षा पर्यन्त **सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी** से स्थायी सम्बद्धता प्राप्त है।

4. विषय –

गुरुकुल में प्रथमा से लेकर आचार्य पर्यन्त पारम्परिक विषयों – वेद, साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, पुराणेतिहास एवं तुलनात्मक दर्शन के साथ ही आधुनिक विषय – विज्ञान, गणित, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी एवं संगणक की शिक्षा दी जाती है। इसके अतिरिक्त योग एवं संगीत का भी प्रशिक्षण दिया जाता है।

5. गुरुकुल में विद्यमान व्यवस्थाएँ –

5.1 छात्रों हेतु–

- गुरुकुल में अध्ययनरत छात्रों हेतु श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटड़ा द्वारा नि:शुल्क आवास, भोजन, वस्त्र एवं पुस्तकादि की समुचित व्यवस्था है।

- छात्रों की आरोग्यता हेतु चिकित्सा सुविधा की भी व्यवस्था है।

(श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल भवन का चित्र)

- छात्रों के क्रीडार्थ गुरुकुल परिसर में सुन्दर बास्केटबाल संकुल, वालीबॉल संकुल, बैडमिन्टन संकुल एवं अन्य क्रीडा क्षेत्र हैं।

(वालीबॉल खेलते हुए छात्र)

(टेबल टेनिस खेलते हुए छात्र)

* गुरुकुल में आधुनिक शिक्षण को अग्रसारित कराने हेतु सुन्दर संगणक कक्ष एवं विज्ञान प्रयोगशाला भी है।

(संगणक कक्ष में छात्र)

* गुरुकुल में छात्रों हेतु दैनिक अध्ययनार्थ पुस्तकालय की भी व्यवस्था है। जिसमें पारम्परिक विषयों की पुस्तकों के साथ आधुनिक पुस्तकों का भी संग्रह है।

(पुस्तकालय में अध्ययनरत छात्र)

5.2. आचार्यों हेतु–

- गुरुकुल में अध्यापन कराने वाले आचार्यों हेतु परिसर में ही सुन्दर आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था उपलब्ध है।

(आचार्यों हेतु आवास)

6. प्रवेश प्रक्रिया –

गुरुकुल में प्रथमा–प्रथम वर्ष में ही प्रवेश लिया जाता है। वे छात्र ही अग्रिम कक्षाओं में प्रविष्ट होते हैं। छात्रों का प्रवेश एक प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से होता है, जिसमें लिखित एवं मौखिक परीक्षा ली जाती है।

(गुरुकुल में प्रवेश हेतु प्रवेश परीक्षा 2014 में भाग लेते छात्र)

7. गुरुकुल संचालन समिति—

इस गुरुकुल को समुचित रुप से प्रगति पथ पर अग्रसर कराने हेतु एक उच्च समिति स्थापित है, जिसमें निम्नलिखित सदस्य हैं—

1) डॉ० एस्.एस्. बलोरिया,
पूर्वकुलपति,
जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू। : अध्यक्ष
2) मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटड़ा। : सदस्य
3) प्रो० युगलकिशोर मिश्र,
पूर्वकुलपति
राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर। : सदस्य
4) प्रो० विश्वमूर्ति शास्त्री,
पूर्व प्राचार्य,
राष्ट्रिय सस्कृत संस्थान, रणवीर परिसर, जम्मू। : सदस्य
5) अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी,
श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटडा। : सदस्य
6) मुख्य लेखाधिकारी,
श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटडा। : सदस्य
7) प्रशासक,
श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल, कटडा। : सदस्य
8) मुख्य पुजारी,
श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटडा। : सदस्य

गुरुकुल संचालन समिति की अद्यावधि बारह बैठकें हो चुकी है। जिसमें गुरुकुल को प्रगतिशील करने हेतु अनेक महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

8. प्रगति—विवरण (सत्र—2013—2014)

8.1. छात्र—प्रवेश —

सत्र 2014—2015 में प्रवेश के लिए **दिनांक 02 मार्च 2014** को लिखित एवं **दिनांक 5, 6 मार्च 2014** को मौखिक परीक्षा आयोजित की गयी, जिसमें **161 छात्रों** ने भाग लिया। जिसमें से **25 छात्रों** का चयन हुआ।

(लिखित परीक्षा में भाग लेते छात्र)

(छात्र का व्यक्तिगत साक्षात्कार)

8.2. नवीन सत्रारम्भ —

2014—2015 का शैक्षिक सत्रारम्भ **दिनांक 01 अप्रैल 2014** को हुआ।

8.3. यज्ञोपवीत—संस्कार —

प्रत्येक वर्ष की भाँति गुरुकुल में नवागत छात्रों का **यज्ञोपवीत—संस्कार** अक्षय तृतीया **दिनांक 02—05—2014** को गुरुकुल के वरिष्ठ आचार्य के आचार्यत्व में सम्पन्न हुआ।

(नवागत छात्रों का यज्ञोपवीत संस्कार)

8.4. चण्डीयज्ञ—

गुरुकुल में प्रतिवर्ष शारदीय एवं वासन्तिक नवरात्र के उपलक्ष्य में अध्ययनरत छात्रों को कर्मकाण्ड में प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से गुरुकुल के वरिष्ठ आचार्य के आचार्यत्व में चण्डीयज्ञ का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष भी शारदीय एवं वासन्तिक नवरात्रों में गुरुकुल के सभी छात्रों ने भाग लेकर यज्ञ—सम्पादन क्षमता को विकसित किया।

(चण्डीयज्ञ में भाग लेते हुए छात्र)

8.5. वार्षिक दिवस समारोह

8.5.1. श्री माता वैष्णों देवी गुरुकुल का द्वितीय वार्षिक दिवस **30** अगस्त **2013** को श्री माता वैष्णो देवी आध्यात्मिक केन्द्र, कटडा में मनाया गया। इस अवसर पर संस्कृत जगत् की महान् विभूति वैष्णवागम दर्शन के विशेष ज्ञाता, शिक्षाविद्, राष्ट्रपति सम्मान से अलंकृत, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्वकुलपति प्रो० अशोक कुमार कालिया जी मुख्य अतिथि थे।

(सदस्य, शासी परिषद् मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए)

8.5.2. इस समारोह में शासी परिषद् के सदस्य, श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के अधिकारी, पुराना दरुड़ क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति, गुरुकुल के छात्र एवं कर्मचारी उपस्थित थे। इस अवसर पर छात्रों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। वार्षिक परीक्षाओं तथा अन्य प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को मुख्य अतिथि ने अपने कर कमलों द्वारा पुरस्कार प्रदान किया।

(गुरुकुल का सर्वोत्कृष्ट छात्र पुरस्कार मुख्य अतिथि द्वारा प्राप्त करते हुये छात्र)

8.6. आचार्य—अभिभावक सम्मेलन —

गुरुकुल में समय—समय पर छात्रों के अध्ययन—अध्यापन के विषय में चर्चा हेतु **प्रशासक** की उपस्थिति में आचार्य—अभिभावक सम्मेलन होता है। जो विगत सत्र में भी यथा समय सम्पन्न हुआ।

(आचार्य—अभिभावक सम्मेलन)

8.7. वार्षिक परीक्षा एवं परीक्षाफल —

- सत्र **2013-14** की प्रथमा प्रथम वर्ष एवं प्रथमा द्वितीय वर्ष की वार्षिक परीक्षा गुरुकुल द्वारा दिनांक **10** मार्च **2014** से दिनांक **26** मार्च **2014** तक ली गयी। जिसका परीक्षाफल निम्न रहा—

क्र.सं.	कक्षा	छात्र संख्या	प्रथमश्रेणी	द्वितीयश्रेणी	तृतीयश्रेणी	अनुत्तीर्ण	उत्तीर्णता प्रतिशत
01.	प्रथमा— प्रथम वर्ष	**25**	**17**	**07**	**01**	**00**	**100%**
02.	प्रथमा— द्वितीय वर्ष	**16**	**08**	**06**	**02**	**00**	**100%**

- सत्र **2013-14** की प्रथमा तृतीय वर्ष एवं पूर्वमध्यमा प्रथम वर्ष की वार्षिक परीक्षा सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा दिनांक **26** मई **2014** से दिनांक **07** जून **2014** तक ली गयी, जिसका परीक्षाफल प्रतीक्षित है।

(सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा आयोजित वार्षिक परीक्षा —**2014** में भाग लेते छात्र)

8.8. गुरुकुल की विशेष उपलब्धि –

दिनांक **28** नवम्बर **2013** को सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा वाराणसी में आयोजित ३१वें दीक्षान्त समारोह में प्रथमा की वार्षिक परीक्षा–२०१३ में विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले गुरुकुल के छात्र **गौरव शर्मा** को विश्वविद्यालय के तत्कालीन **कुलाधिपति एवं उत्तर प्रदेश के सम्माननीय राज्यपाल श्री बी.एल.जोशी जी** द्वारा **वक्रतुण्ड स्वर्णपदक** एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

(माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा स्वर्ण पदक प्राप्त करते हुए छात्र गौरव शर्मा)

8.9. विशिष्ट अतिथियों का आगमन –

गुरुकुल स्थापना के अनन्तर अनेक विशिष्ट अतिथियों का समय–समय पर आगमन होता रहा। जिसमें प्रमुख हैं –

1) सम्माननीय श्री एन.एन.वोहरा महोदय जी, राज्यपाल, जम्मू व कश्मीर।
2) डॉ० एस्.एस्. बलोरिया जी, पूर्वकुलपति, जम्मू केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू।
3) श्री एच.एल. मैनी जी, माननीय सदस्य, श्री माता वैष्णो देवी श्राईन बोर्ड।
4) प्रो० युगलकिशोर मिश्र जी, पूर्वकुलपति राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर।
5) प्रो० विश्वमूर्ति शास्त्री जी, पूर्व प्राचार्य, राष्ट्रियसस्कृतसंस्थान, रणवीर परिसर, जम्मू
6) श्री नवीन कुमार चौधरी जी, आई.ए.एस्. प्रमुख सचिव, राजभवन, जम्मू व कश्मीर ।
7) श्री स्वामी विज्ञानानन्द जी महाराज, भृगुआश्रम फतेहपुर, उत्तर प्रदेश।
8) श्री स्वामी गिरिजेशानन्द जी महाराज, रामकृष्ण मठ, उदयवाला, जम्मू।
9) प्रो० मनोज कुमार मिश्र जी, आचार्य, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, रणवीर परिसर, जम्मू।
10) श्री स्वामी परानन्दतीर्थ जी, धर्मसंघ, दिल्ली।
11) प्रो० हरेकृष्णशतपथी जी, कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति,आंध्र प्रदेश
12) प्रो० मानिकराव एम. सोलंकी जी, पूर्वकुलपति, केंद्रीय विश्वविद्यालय, राजस्थान।
13) श्री विरेन्द्र गुप्ता जी, विशेषाधिकारी, केंद्रीय विश्वविद्यालय, जम्मू।
14) श्री गोपी रमण मिश्र जी, परीक्षा नियंत्रक, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली।
15) प्रो०हरप्रसाद दीक्षित जी, आचार्य, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।
16) प्रो० पी.एन.शास्त्री जी, प्राचार्य, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, रणवीर परिसर, जम्मू।
17) प्रो० राधाकान्त ठाकुर जी, आचार्य, राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति, आन्ध्र प्रदेश।

18) डॉ० मनदीप कुमार भण्डारी जी, आई.ए.एस., मुख्य कार्यकारी अधिकारी, श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड, कटडा का समय—समय पर आगमन तथा कार्यकारी संरक्षण गुरुकुल को प्राप्त होता रहा है।

8.10. नवनिर्मित भवनों का उद्घाटन —

दिनांक **01** मार्च **2014** को जम्मू व काश्मीर के सम्माननीय राज्यपाल, श्री एन.एन वोहरा जी द्वारा गुरुकुल परिसर में नव निर्मित आचार्य निवास खण्ड**-2** एवं छात्रावास खण्ड**-2** भवनों का उद्घाटन किया गया। जिसमें श्रीमाता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के सम्माननीय सदस्य श्री एच्. एल्. मैनी, राज्यपाल महोदय के प्रमुख सचिव श्री नवीन कुमार चौधरी जी, श्रीमाता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी महोदय तथा अन्य श्राईन बोर्ड के अधिकारी उपस्थित रहे।

(आचार्य निवास खण्ड —२ का उद्घाटन करते हुए माननीय राज्यपाल महोदय एवम् अन्य)

(छात्रावास खण्ड —२ का उद्घाटन करते हुए माननीय राज्यपाल महोदय एवम् अन्य)

8.11. पुनश्चर्या पाठ्यक्रम —

गुरुकुल स्थापना के पश्चात् संस्थागत पुजारी एवं बाहरी पुजारियों को कर्मकाण्ड से सम्बन्धित प्रशिक्षण के उद्देश्य से दिनांक **15–06–2010** को श्री माता वैष्णो देवी स्थापन बोर्ड के अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी **डॉ० मनदीप कुमार भण्डारी** जी द्वारा **चतुर्दिवसीय पुनश्चर्या पाठ्यक्रम** का उद्घाटन गुरुकुल परिसर में हुआ। कालान्तर में यह कार्यक्रम षड्दिवसीय होकर चलायमान है। **सत्र 2013–2014** में **6** पाठ्यक्रम आयोजित किये गये जिसमें **संस्थागत पुजारी 10** एवं **बाहरी पुजारी 43** ने प्रशिक्षण प्राप्त किया।

(पुनश्चर्या पाठ्यक्रम मे भाग लेते बाहरी पुजारी)

(पुनश्चर्या पाठ्यक्रम मे भाग लेते बाहरी पुजारी)

8.12. सौर ऊर्जा —

8.12.1. गुरुकुल में विद्युत् के अभाव में छात्रों का अध्ययन एवं आवश्यक कार्य बाधित न हो इस उद्देश्य से गुरुकुल परिसर में सौर ऊर्जा प्रणाली यन्त्र स्थापित किया गया है।

(गुरुकुल परिसर में स्थापित सौर ऊर्जा प्रणाली यन्त्र)

8.12.2. सौर उष्णक —

गुरुकुल में छात्रो हेतु शीतकालीन सत्र में स्नानादि के सम्यक् उद्देश्य से गुरुकुल परिसर में सौर उष्णक जल यन्त्र स्थापित किया गया है।

(गुरुकुल परिसर में स्थापित सौर ऊर्जा ऊष्णक प्रणाली यन्त्र)

8.13 वस्त्र प्रक्षालन प्रणाली यन्त्र की व्यवस्था —

गुरुकुल में छात्रों के कपड़ों की धुलाई की आवश्यकताओं को देखते हुए वस्त्र प्रक्षालन प्रणाली यन्त्र की व्यवस्था की गई है।

(छात्रावास में स्थापित प्रक्षालिका प्रणाली)

9. उच्च समिति की बैठक —

गुरुकुल के प्रगति—समीक्षाणार्थ एवं आगामी नीति— निर्धारण हेतु समय—समय पर उच्च समिति की बैठक गुरुकुल परिसर में होती रहती है। अद्यावधि **12**वीं बैठक सम्पन्न हुई है। जिसमें सम्बन्धित माननीय सदस्य उपस्थित रहे।

(उच्च समिति की बैठक प्रगति पर)

10. भविष्य की योजनाएं —

10.1. अतिरिक्त कक्षा—भवन —

गुरुकुल में भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए चार अध्ययनकक्षों का निर्माण किया जा रहा है।

10.2. गुरुकुल भाग—2 —

गुरुकुल के उच्च कक्षा के छात्रों हेतु गुरुकुल भाग—**2** बनाने की योजना है। गुरुकुल भाग—**2** लगभग **12** कनाल भूमि पर बनाया जाएगा। इसमें आचार्यों, विद्यार्थियों, गुरुकुल के अन्य कर्मचारियों के लिए आवासीय सुविधा के अतिरिक्त यज्ञशाला और मंदिर का निर्माण भी किया जायेगा।

10.3. भाषा प्रयोगशाला —

गुरुकुल में छात्रों हेतु संस्कृत, हिन्दी, अंग्रेजी भाषा प्रयोगशाला का कार्य प्रगति पर है।

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद्दुःखभाग्भवेत् ।।
।। ॐ शान्तिः शान्तिः शान्तिः।।